जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 304 दिनांक:17-10-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

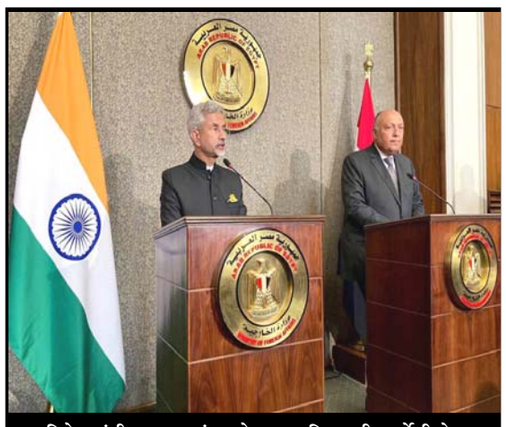

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा दुनिया की फार्मेसी के रूप में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ी है। हम कई देशों के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र हैं। मैं अब भारतीय अस्पतालों के भारत से बाहर जाने की संभावना देख रहा हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव लिए 22 साल के अंतराल के बाद सोमवार को मतदान डाले जाएंगे। इस चुनावी मैदान में पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर आमने- सामने हैं। पार्टी के इस पद के लिए मतदान सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होगा।

सिसोदिया को CBI के समन के बाद बोले केजरीवाल- ये आजादी की दूसरी लड़ाई, वो आज के भगत सिंह

नई दिल्ली । दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई (ण्ँद) ने दिल्ली आबकारी नीति (2020-21) में घोटाले के मामले में समन भेजा है। इस पर आम आदमी पार्टी (ँड़) के संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया आज भगत सिंह हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने सोमवार सुबह 11 बजे बुलाया गया है। इससे पहले भी सीबीआई ने उनके घर और संबंधित ठिकानों पर छापा मारा था और पूछताछ की थी।

डिप्टी सीएम के ट्वीट को सीएम अरविंद केजरीवाल ने रिट्वीट करते हुए कहा, ठजेल की सलाखें और फांसी का फंदा भगत सिंह के बुलंद इरादों को डिगा नहीं पाए, ये आजादी की दूसरी लड़ाई है। मनीष और सत्येंद्र आज के भगत सिंह हैं। 75 साल बाद देश को एक शिक्षा मंत्री मिला, जिसने गरीबों को अच्छी शिक्षा देकर सुनहरे भविष्य की उम्मीद दी। करोड़ों गरीबों की दुआएं आपके साथ हैं।

सीबीआई द्वारा समन भेजे जाने के बाद डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा, ठमेरे घर पर 14 घंटे ण्ँद रेड कराई, कुछ नहीं निकला। मेरा बैंक लॉकर तलाशा, उसमें कुछ नहीं निकला। मेरे गांव में इन्हें कुछ नहीं मिला। अब इन्होंने सोमवार को 11 बजे मुझे सीबीआई मुख्यालय बुलाया है। मैं जाऊंगा और पूरा सहयोग करूंगा। सत्यमेव जयते। शराब घोटाला मामले में ईडी की टीम कुछ दिनों पहले ही दिल्ली, पंजाब और आंध्र प्रदेश में छापेमारी की थी। शराब घोटाला मामले में इन राज्यों में करीब 35 जगहों पर छापेमारी की गई। ॅं ने इस मामले में तीसरी बार छापेमारी की। अब तक करीब 100 ठिकानों पर छापेमारी हो चुकी है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई (ण्ँद) ने दिल्ली आबकारी नीति (2020-21) में घोटाले के मामले में समन भेजा है। इस पर आम आदमी पार्टी (ँड़) के संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया आज भगत सिंह हैं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई, ण्ँद) ने 19 अगस्त को दिल्ली सरकार के आईएएस अधिकारी और दिल्ली के पूर्व आबकारी आयुक्त आर गोपी कृष्णा और सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 19 अन्य स्थानों पर छापेमारी की थी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली की शराब नीति 2021 (अत्प्र थ्ल्दि इ्दत्मब 2021) में अनियमितताओं के आरोप में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

नई दिल्ली से हावड़ा जा रही दुरंतो एक्सप्रेस में लूटपाट, पटना में तीन बोगियों के यात्रियों को बनाया शिकार

पटना । दिल्ली से कोलकाता वाया पटना जा रही 12274 दुरंतो एक्सप्रेस में रविवार की सुबह बख्तियारपुर से पहले शालिमपुर स्टेशन के पास हथियारबंद लुटेरों ने जमकर लूटपाट की। पीड़ित यात्रियों के मुताबिक यह घटना रविवार सुबह तीन बजे की है। पहले से ही सवार एक-दो अपराधियों ने ट्रेन को वैक्यूम कर रोक लिया। इसके बाद से आठ-दस अपराधियों ने ट्रेन के ए-1, बी-1, बी-2 एवं बी-3 कोच के यात्रियों से जबरन उनका पर्स, मोबाइल व जेवरात छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद पांच मिनट के अंदर ही सारे बदमाश ट्रेन से उतरकर भाग गए।

इस संबंध में पीड़ित यात्री विभाष कुमार झा ने बताया कि वह एयरफोर्स में कार्यरत हैं और वर्तमान में राजस्थान में उनकी तैनाती है। वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ अपने घर देवघर लौट रहे थे। ट्रेन के पटना जंक्शन से छूटने के थोड़ी ही देर बाद शालिमपुर स्टेशन के पास गाड़ी को रोककर कुछ बदमाश उसमें सवार हुए और लूटपाट करने लगे। एयरफोर्स कर्मी की पत्नी से भी अपराधियों ने असलहे के बल पर पर्स लूट लिया, जिसमें तीन ईयर रिंग्स, अंगूठी, मोबइल समेत दो लाख से अधिक के सामान थे। ट्रेन के किसी स्टेशन पर ठहराव नहीं होने के कारण उन्होंने इसकी सूचना जसीडीह रेल थाने में दे दी।

कई यात्रियों ने कोलकाता में इसकी लिखित शिकायत भी की है। विभाष के मुताबिक, ए-1, बी-1, बी-2 एवं बी-3 कोच को ही बदमाशों ने निशाना बनाया था। वहीं रेल पुलिस की ओर से बतौर एसपी रेल ने बताया कि इस ट्रेन में आरपीएफ का एस्कार्ट रहता है। संयोगवश कल कोई एस्कार्ट नहीं दिया जा सका था। बगैर एस्कार्ट ट्रेन को देख बदमाशों ने दो-चार यात्रियों के सामान की चोरी कर ली। एक प्राथमिकी जसीडीह में की गई है। पुलिस ने उपरोक्त प्रकरण को संज्ञान में लेने के बाद आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए चुनाव आज, शशि थरूर पर भारी मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुनने के लिए देशभर के 9,000 से अधिक प्रतिनिधि सोमवार को मतदान करेंगे। आमने-सामने के मुकाबले में गांधी परिवार के करीबी मल्लिकार्जुन खड़गे फिलहाल शशि थरूर से आगे दिख रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान शशि थरूर कई बार चुनाव में समान अवसर नहीं दिए जाने की शिकायत कर चुके हैं। बुधवार को मतों की गिनती के बाद कांग्रेस को 24 वर्ष बाद गांधी परिवार के बाहर का अध्यक्ष मिलेगा।

22 वर्ष बाद होने जा रहे कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय समेत पूरे देश में 65 से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस की मौजूदा कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी मुख्यालय स्थित मतदान केंद्र पर मतदान करेंगी। वहीं, भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी कर्नाटक के बेल्लारी स्थित संगनाकल्लु में यात्रा कैंप में बनाए गए मतदान केंद्र पर मतदान करेंगे। राहुल के साथ ही उनके साथ यात्रा पर चल रहे 40 प्रतिनिधि भी अपना वोट डालेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव लिए 22 साल के अंतराल के बाद सोमवार को मतदान डाले जाएंगे। इस चुनावी मैदान में पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर आमने- सामने हैं। पार्टी के इस पद के लिए मतदान सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होगा।

देश की सबसे पुरानी पार्टी अखिल भारतीय कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए होने वाले मतदान को लेकर संगठन के स्तर पर तैयारियां कर ली गई हैं। देशभर के 9800 डेलीगेट्स 'वोटर' के लिए 40 पोलिंग स्टेशन और 68 बूथ देशभर में बनाए गए हैं। कांग्रेस केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के चेयरमैन मधुसूदन मिस्त्री ने बताया कि कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड में भी बूथ बनाया गया है, जिसमें करीब 50 मतदाता अपना मतदान करेंगे।

कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्य 24 अकबर रोड पर स्थित पार्टी मुख्यालय पर वोट डालेंगे। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी कल कांग्रेस मुख्यालय में मतदान करेंगे। वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बेल्लारी में अपना वोट डालेंगे। राहुल गांधी इस समय भारत जोड़ो यात्रा में कर्नाटक में हैं। बेल्लारी में भारत जोड़ो यात्रा कैंप में वोटिंग की व्यवस्था की गई है। वहां पोलिंग बूथ बनाया गया है, जिसमें करीब 50 से अधिक डेलीगेट्स अपना वोट डालेंगे।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में करीब 50 नेता मतदान करेंगे। दिल्ली में दो पोलिंग सेंटर बनाए गए हैं। एक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ऑफिस में जबकि दूसरा कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड पर बनाया गया है। डीपीसीसी में दो बूथ बने हैं, जहां करीब 280 मतदाता मतदान करेंगे। शशि थरूर खेमे की शिकायत के बाद चुनाव में उम्मीदवार के साथ पसंद की प्राथमिकता के आधार पर एक या दो लिखकर मतदान की प्रक्रिया को बदल दिया गया है। दरअसल मतपत्र पर एक नंबर के सामने मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम है और नंबर दो के सामने शशि थरूर का। ऐसे में मतदान के दौरान उम्मीदवार के नाम के आगे एक या दो लिखने के विकल्प से मल्लिकार्जुन खड़गे को बढ़त मिलने की आशंका रहती। इसके बाद प्रतिनिधियों के उम्मीदवार के नाम के सामने 'सही' का निशान लगाने का विकल्प दिया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद राहुल गांधी के इस्तीफे की वजह से कांग्रेस का अध्यक्ष पद खाली था और सोनिया गांधी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। वहीं कांग्रेस के भीतर वरिष्ठ नेताओं का जी-23 ग्रुप पार्टी के भीतर अंदरूनी लोकतंत्र की बहाली के लिए दवाब बनाता रहा। इसी दबाव का नतीजा है कि आखिरकार कांग्रेस को चुनाव का एलान करना पड़ा। जाहिर है इसी चुनाव प्रक्रिया के दौरान जी-23 एक तरह से खत्म हो गया और उसके अधिकांश नेता नामांकन के दौरान खड़गे के साथ खड़े दिखे। वैसे इस दौरान उम्मीदवार के चयन के लिए सियासी सरगर्मी तेज रही।

अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत उत्तराधिकारी के रूप में सचिन पायलट की राह रोकने की कोशिश में दौड़ से बाहर हो गए और अंततः 80 वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे को मैदान में उतारा गया। लेकिन केरल से सांसद शशि थरूर ने मैदान में उतरकर मुकाबले को रोचक बना दिया। झारखंड के विधायक केएन त्रिपाठी ने पर्चा भरकर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश की, लेकिन उनका नामांकन एक अक्टूबर को जांच के बाद खारिज कर दिया गया।

गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों के गृह मंत्रियों का चिंतन शिविर बुलाया, ममता को भी भेजा गया निमंत्रण

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरियाणा के सूरजकुंड में 27-28 अक्टूबर को सभी राज्यों के गृह मंत्रियों का चिंतन शिविर बुलाया है। गृहमंत्री अमित शाह ने इसके लिए सभी राज्यों के गृह मंत्रियों को आमंत्रित किया है। इस बैठक के लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने यह जानकारी दी। दरअसल, ममता राज्य में गृह विभाग भी संभाल रही हैं। हालांकि ममता बनर्जी इस बैठक में जाएंगी या नहीं, ये अभी साफ नहीं है।

देश में आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा करने के लिए गृह मंत्रालय दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन करने जा रहा है। इसके लिए सभी राज्यों के गृह मंत्रियों को न्योता भेजा जा रहा है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस चिंतन शिविर में सबसे प्रमुख मुद्दा आतंरिक सुरक्षा का रहेगा। आंतरिक सुरक्षा के अलावा राज्यों की पुलिस व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था और होमगार्ड से संबंधित मुद्दों पर भी मंथन किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक राज्यों के गृह मंत्रियों के साथ गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक भी इस शिविर में हिस्सा लेंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस शिविर के लिए अलग- अलग सत्रों में अलग विषयों पर चर्चा होगी। गृहमंत्री शाह दोनों दिन हरियाणा के सूरजकुंड में ही रहेंगे।

मिस्त्र अगले साल COP27 सम्मेलन की करेगा मेजबानी, जयशंकर ने राष्ट्रपति सीसी से कहा- भारत सीओपी27 के लिए प्रतिबद्ध

काहिरा । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ चर्चा की और मिस्त्र के राष्ट्रपति पद के तहत सीओपी 27 की सफलता के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान जी20 में मिस्त्र की भागीदारी को महत्व देता है। उन्होंने आगे रेखांकित किया कि भारत मिस्त्र की अध्यक्षता में सीओपी27 की सफलता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मिस्त्र के दो दिवसीय दौरे पर आए जयशंकर ने ट्वीट किया, ठमिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूंठ जयशंकर ने मिस्त्र के राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बधाई दी। विदेश मंत्री ने भारत-मिस्त्र संबंधों के विभिन्न आयामों को और विकसित करने में राष्ट्रपति सीसी के मार्गदर्शन की गहराई से सराहना की।

मंत्री जयशंकर ने राष्ट्रपति को वित्त मंत्री समेह शौकरी के साथ अपनी चर्चा के बारे में जानकारी दी। जयशंकर ने अपने ट्वीट में कहा, ठस्वतंत्र विचारधारा वाले राष्ट्रों के रूप में, भारत और मिस्त्र वैश्विक विकास में योगदान करते हैं। और शांति, प्रगति और विकास के कारण को बढ़ावा देते हैं। ठजयशंकर ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (घ्ऊ) जैसे प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में मिस्त्र के साथ सहयोग करने पर केंद्रीय शिक्षा, कौशल और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से बात करेंगे। भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए विदेशों में परिसर स्थापित करने के लिए आईआईटी परिषद की स्थायी समिति के अध्यक्ष के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में 16 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। पिछले साल सऊदी अरब और मिस्त्र में केंद्र खोलने का प्रस्ताव रखा था।

जयशंकर ने आगे कहा कि भारत और मिस्त्र के बीच संबंध अच्छे हैं। उन्होंने कहा, ठसंभावनाएं अधिक हैं। कल मैं मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मिलूंगा और इस संबंध को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दोहराऊंगा। ठव्यापार संबंधों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मिस्त्र ने भारत से गेहूं का आयात करना शुरू कर दिया है। मिस्त्र के बारे में अच्छी बात यह है कि व्यापार दोनों पक्षों से उचित रूप से संतुलित रहा हैठ कोविड महामारी के बारे में बोलते हुए, जयशंकर ने भारत की सफलता की कहानी साझा की।

जयशंकर ने कहा, ठहमने कोविड के दौरान भारतीयों को घर वापस लाने के लिए एक अभूतपूर्व प्रयास किया। यह आज का भारत है, जो बड़े काम करने में सक्षम है। इसने साबित कर दिया है कि यह चुनौतियों का सामना कर सकता हैठ विश्व की फार्मेसी के रूप में भारत की प्रतिष्ठा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सा उद्देश्यों के लिए भारत आने वाले विदेशियों की संख्या पर लोग आश्चर्यचकित होंगे। दुनिया की फार्मेसी के रूप में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ी है। हम कई देशों के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र हैं। मैं अब भारतीय अस्पतालों के भारत से बाहर जाने की संभावना देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य 15 साल पहले एक पर्यटक के रूप में देश का दौरा करने से अलग है। ठमैं विदेश मंत्री के रूप में अपनी पहली यात्रा पर यहां हूं, हालांकि यह मेरी मिस्त्र की पहली यात्रा नहीं है, मैं यहां लगभग 15 साल पहले एक पर्यटक के रूप में पहली बार आया था।

आज, मेरा उद्देश्य अलग है। ठहमारे संबंध कहां हैं, मैं चाहता हूं कि आप सभी इस बात की सराहना करें कि आज हमारे संबंधों को उन्नत करने के लिए एक बहुत ही गंभीर प्रयास किया जा रहा है और यह हमारे राजनयिक संबंधों की 75 वीं वर्षगांठ है और यहां मेरी उपस्थिति है। जयशंकर ने कहा, 'दुनिया बहुत ध्रुवीकृत हो रही है। अमीर देश पूरी तरह से यह नहीं समझ पा रहे हैं कि दुनिया में जो हो रहा है उससे गरीब देश कैसे आहत हो रहे हैं। यह आज बहुत तनावपूर्ण, दुखी दुनिया है।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए चुनाव आज, शशि थरूर पर भारी मल्लिकार्जुन खड़गे

(नई दिल्ली) धार्मिक मामलों में दखल न देने के नियम के तहत गुरपतवंत पन्नू के खिलाफ इंटरपोल ने खारिज किया भारत का अनुरोध

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा स्थित संस्थापक और खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के कानूनी सलाहकार के खिलाफ आतंकी आरोपों पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के भारत के दूसरे अनुरोध को इंटरपोल ने खारिज कर दिया। अब इसको लेकर वजह सामने आई है। इंटरपोल के धार्मिक महत्व के मामलों में दखल नहीं देने से जुड़ा नियम है। जिसकी जानकारी इंटरपोल के सेक्रेटरी जनरल ने बातचीत में साझा की है।

बात करते हुए इंटरपोल के महासचिव जुर्गन स्टॉक ने कहा कि वो व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि संगठन के लिए किसी भी गतिविधि में प्रवेश करना सख्त मना है जिसमें मुख्य रूप से राजनीतिक, सैन्य, धार्मिक या नस्लीय मामलों से संबंधित होते हैं। तथ्यों के मामले में हम ऐसे मामलों से दूर रहते हैं। इसके साथ ही सहयोग के लिए सदस्य देशों अनुरोधों को अस्वीकार कर देते हैं। इंटरपोल संविधान के अनुच्छेद 3 में कहा गया है कि संगठन के लिए राजनीतिक, सैन्य, धार्मिक या नस्लीय चरित्र के किसी भी हस्तक्षेप करने की सख्त मनाही है।

बता दें कि बीते दिनों टरपोल ने कनाडा स्थित संस्थापक और खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के कानूनी सलाहकार के खिलाफ आतंकी आरोपों पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के भारत के दूसरे अनुरोध को खारिज कर दिया था। इंटरपोल ने स्वीकार किया कि पन्नून एक ठहाई-प्रोफाइल सिख अलगाववादीठ है और एसएफजे एक ऐसा समूह है जो एक स्वतंत्र खालिस्तान की मांग करता है। फिर भी, उन्होंने कहा, यह निष्कर्ष निकाला है कि पन्नून की गतिविधियों का एक ठस्पष्ट राजनीतिक आयामठ है, जो इंटरपोल के संविधान के अनुसार रेड कॉर्नर नोटिस का विषय नहीं हो सकता है।

'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल 4 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगा करंट, अस्पताल में भर्ती कराए गए

बेल्लारी (ईएमएस)। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' कर्नाटक के बेल्लारी में हादसे का शिकार हो गई। कांग्रेस की इस यात्रा में शामिल 4 कार्यकर्ताओं को करंट लग गया। सभी को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार सुबह कर्नाटक के बेल्लारी से यात्रा की शुरुआत हुई। यहां से यात्रा मौका नामक स्थान पर पहुंची। यात्रा में शामिल कुछ कार्यकर्ता पार्टी का झंडा और लोहे की छड़ पकड़े हुए थे। इनमें से ही 4 लोग करंट की चपेट में आ गए।

कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि मौके पर मौजूद एंबुलेंस के डॉक्टर्स ने शुरुआती इलाज किया और घायलों को अस्पताल रेफर कर दिया। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्यकुमारी से शुरू हुई थी। 3750 किमी का सफर पूरा करने के बाद यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खत्म होगी। यात्रा में शामिल सभी सदस्य इस दौरान 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेंगे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का फोकस जनता से जुड़े मुद्दों पर है। राहुल इस यात्रा के दौरान कई मौकों पर बेरोजगारी, किसानों की कर्जमाफी, बेहतर शिक्षा जैसे मुद्दे उठा चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक में यह सवाल भी उठाया था कि राज्य के लोग कन्नड़ भाषा में एग्जाम टेस्ट क्यों नहीं दे सकते। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 4 राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से पार हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा 9 नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी।

कांग्रेस सूत्र दावा कर रहे हैं कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार और उनकी बेटी लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत कर सकते हैं। यह दूसरा मौका है जब कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में विपक्ष का कोई शीर्ष नेता नजर आएगा। इससे पहले 7 सितंबर को तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को यात्रा शुरू होने पर कन्याकुमारी में राहुल गांधी को तिरंगा सौंपते हुए देखा गया था। एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने कहा था कि पहली बार किसानों को जीएसटी देना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा था कि एक तरफ बेरोजगारी तो दूसरी तरफ महंगाई है। अपने पूरे भ्रमण के दौरान मैं किसानों से मिलता रहा हूं और उनसे उनकी स्थिति के बारे में पूछ रहा हूं। किसान बिना मदद के पैसा नहीं कमा सकते। किसानों की मदद करने के बजाय पहली बार भारत के किसानों को जीएसटी देना होगा। ये स्थिति हमारे देश भर के किसान झेल रहे हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार ने अंधेरी का चुनाव निर्विरोध कराने की वकालत की

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार ने अंधेरी का चुनाव निर्विरोध कराने की वकालत की है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अपने निवास सिल्वर ओक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी का नाम लिए बगैर कहा कि अंधेरी का उपचुनाव निर्विरोध होना चाहिए।

मुंबई के अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधायक रमेश लटके के निधन से खाली हुई इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इस चुनाव के लिए बीजेपी के मुर्जी पटेल ने नामांकन दाखिल किया है।

शरद पवार ने आज याद दिलाया कि गोपीनाथ मुंडे की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद महाराष्ट्र में उपचुनावों की घोषणा की गई। उस समय उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के रूप में फैसला किया था कि अगर गोपीनाथ मुंडे के परिवार का कोई सदस्य चुनाव में खड़ा होगा तो पार्टी उसके सामने कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

शरद पवार ने यह भी अपील की कि नगर निगम और विधानमंडल में दिवंगत रमेश लटके के योगदान और निर्वाचित प्रतिनिधि के कार्यकाल को देखते हुए यह चुनाव निर्विरोध कराकर महाराष्ट्र को सही संदेश देना उचित होगा।

दिल्ली की बिगड़ी कानून व्यवस्था पर ध्यान दें उप राज्यपाल - मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से समन मिलने के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पर जोरदार हमला किया है। मनीष सिसोदिया ने कहा है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बहुत खराब है। पिछले कुछ दिनों में रेप और हत्या की घटनाएं हुईं। दिल्ली इस समय अपराधियों की राजधानी बन गई है।

मनीष सिसोदिया के पत्र में लिखा है कि दिल्ली में एक के बाद एक हत्याएं हो रही हैं, जो दिल दहलाने वाली हैं। मनीष सिसोदिया ने इस महीने में हुई वारदातों का विवरण भी उसमें दिया है। उन्होंने उप राज्यपाल सक्सेना से कहा है कि, थोड़ा समय निकालकर दिल्ली की कानून व्यवस्था पर ध्यान दें उप राज्यपाल साहब।

ज्ञात रहे कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को लेकर डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सोमवार को पूछताछ के लिए तलब किया है। इसके बाद जहां डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि वह सीबीआई हेडक्वार्टर जाएंगे और पूरा सहयोग करेंगे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि सीबीआई सोमवार को मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करेगी। आबकारी नीति को बनाए जाने और उसके क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में पूछताछ के लिए मनीष सिसोदिया को तलब किया गया है। दिल्ली सरकार इस नीति को अब वापस ले चुकी है।

आम आदमी पार्टी प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने कल बुलाया है और गिरफ़्तार करेगी। यह कहा जा रहा था कि दस हज़ार करोड़ का घोटाला हुआ है, अब तक सीबीआई और ईडी 500 जगहों पर छापा मार चुकी हैं। मनीष सिसोदिया के घर 14 घंटे सीबीआई रही, कहीं से भी कुछ नहीं मिला। इसका संबंध गुजरात चुनाव से है, वहां बीजेपी और आप की सीधी टक्कर है। उससे बीजेपी घबराई हुई है।'

साथ ही उन्होंने कहा, 'मनीष सिसोदिया के जो कार्यक्रम हैं, उसे रोकने के लिए उन्हें गिरफ़्तार किया जाएगा। लेकिन इससे आप और मज़बूत होगी। पहले भी हमारे नेताओं को ऐसे ही नोटिस देकर बुलाकर गिरफ़्तार किया गया है, इसलिए हम कह रहे हैं कि उन्हें गिरफ़्तार किया जाएगा।'

भारद्वाज ने कहा, 'हम डर गए होते तो छुप रहे होते। जितनी गिरफ़्तारी होगी उतना गुजरात में हमारा ग्राफ़ बढ़ता जाएगा। जैसे-जैसे बीजेपी जुल्म बढ़ाएगी हमारा ग्राफ़ बढ़ता जाएगा। जैसे आजादी की लड़ाई के लिए कुर्बानी दी गई, वैसी ही कुर्बानी की आज जरूरत है और हम इस कुर्बानी से पीछे नहीं हटेंगे।'

मशहूर टीवी एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर ने इन्दौर में लगाई फांसी, मौत

इन्दौर (ईएमएस)। टीवी धारावाहिक की अभिनेत्री वैशाली ठक्कर ने इन्दौर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। वैशाली टीवी धारावाहिक 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' और जैसे कई धारावाहिक में काम कर चुकी है रही हैं, वह बिग बास में भी हिस्सा ले चुकी है। बताया जा रहा है कि वैशाली एक साल से इन्दौर में रह रही थी। आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद तेजाजी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है।

पुलिस के अनुसार शक है प्रेम प्रसंग के चलते खुदकुशी की है। तेजाजी नगर थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है। वैशाली ठक्कर ने साईं बाग कॉलोनी में स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। ठक्कर ने स्टार प्लस के सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस सीरियल में उसने संजना का किरदार निभाया था, जिससे यह बहुत फेमस हो गई थी। अभी तक की जांच में प्रेम-प्रसंग की बात सामने आई है।

एंकरिंग से अपने करियर की शुरुआत कै बाद स्टार प्लस के यह रिश्ता क्या कहलाता है में संजना का किरदार निभाने के बाद ये वादा रहा, ये हैं आशिकी, ससुराल सिमर का, सुपर सिस्टर, लाल इश्क और विष और अमृत में वैशाली नजर आई। वैशाली का सबसे पॉपुलर किरदार ससुराल सिमर का अंजलि भारद्वाज का था, जिसके लिए उन्होंने गोल्डन पेटल अवार्ड्स के बेस्ट एक्ट्रेस इन निगेटिव रोल से सम्मानित भी किया जा चुका है। साल 2019 में वैशाली टेलीविजन शो मनमोहिनी में नजर आ रही थी, जिसमे वह मानसी का किरदार निभाई। टेलीविजन के अलावा वैशाली ने फिल्मों में भी काम किया है। वैशाली मूल रूप से उज्जैन के महिदपुर की रहने वाली हैं। यह कोई फिल्मी कलाकारों का इस तरीके से आत्महत्या करना कोई पहला मामला नहीं है। इसस पहले भी कई कलाकारों ने किसी न किसी वजह से अपनी जिंदगी की जंग हार चुके हैं। अब देखना होगा पुलिस जांच में क्या हकीकत सामने आती है। प्रारंभिक जांच में प्रेम-प्रसंग की बात सामने आई है।

कार्टून कोना

एमबीबीएस से शुरुआत की, अगले दिनों में इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई भी मातृ भाषा में होगी : अमित शाह

भोपाल (ईएमएस)। देश में पहली बार मध्य प्रदेश में हिन्दी में एमबीबीएस कोर्स की शुरुआत हो गई है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को इसका शुभारंभ किया व प्रथम वर्ष की मेडिकल की हिन्दी पुस्तकों का विमोचन किया। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा समेत अन्य मंत्री और नेता मौजूद रहे।

इसके साथ ही मध्य प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां एमबीबीएस की पढ़ाई अब हिन्दी में होगी। गृह मंत्री ने कहा भारत के शिक्षा क्षेत्र के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। इतिहास के पन्नों में यह दिन सुनहरे अक्षरों में अंकित होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए पीएम मोदी ने छात्रों की मातृभाषा पर ज्यादा जोर दिया है।

यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। मुझे गर्व होता है कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने देश में सबसे पहले मेडिकल शिक्षा हिंदी भाषा में शुरु कर प्रधानमंत्री मोदी के सपने को पूरा करने का काम किया है। गृह

जन हितैषी

सुप्रीम कोर्ट ने साईंबाबा की रिहाई रोकी, जेल में बंद रहेंगे

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा, को मुंबई हाईकोर्ट द्वारा माओवादियों से संबंध मामले में शुक्रवार को बरी किया गया।

मुंबई हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार की एजेंसी एनआईए ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट में जाकर आधी-अधूरी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए की याचिका की सुनवाई छुट्टी के दिन शनिवार को विशेष अदालत से कराने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया से सरकार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए और न्यायपालिका की लोकतंत्र के प्रति आस्था एवं निष्ठा को लेकर प्रश्नचिन्ह लगना शुरू हो गया है।

मुंबई हाई कोर्ट ने शारीरिक रूप से 90 फीसदी विकलांग प्रोफेसर साईं बाबा को जिन्हें 2014 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली मामले में गिरफ्तार किया गया था। 2017 में गढ़चिरोली की अदालत ने उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई थी। 2014 से वह लगातार नागपुर की केंद्रीय जेल में बंद हैं। वह आदिवासियों और जनजातियों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। उन्हें सोशल एक्टिविस्ट के रूप में सारी दुनिया जानती है। इस मामले में कई बार उनकी ओर से जमानत के आवेदन लगाए गए। जो लगातार खारिज होते चले गए। इस मामले में गढ़चिरौली की अदालत में सुनाई गई सजा के खिलाफ मुंबई हाई कोर्ट में अपील की गई थी। मुंबई हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व प्रोफेसर साईं बाबा और 5 अन्य आरोपियों को कोई सबूत नहीं होने के कारण निर्दोष करार दिया और उन्हें जेल से छोड़ने के आदेश दिए थे।

बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश हुआ, उसके कुछ घंटों के बाद ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। जहां पर उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगाने के लिए सुनवाई करने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की याचिका पर शनिवार की सुबह 11 बजे न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी को सुनवाई करने के लिए अधिकृत किया।

यह एक ऐसा मामला है जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा और सुना जा रहा है। न्यायालयीन प्रक्रिया को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएं हो रही हैं। पूर्व प्रोफेसर साईं बाबा की जिस तरीके की हालत है उस हालत में गंभीर से गंभीर मामले के अपराधी को जमानत और पैरोल मिल जाती है। लेकिन विचारधारा के आधार पर जेल में बंद आरोपी साईं बाबा जिनके खिलाफ एनआईए कोई सबूत नहीं जुटा सकी। पिछले 8 साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उनको हाईकोर्ट से राहत मिली। इसके तुरंत बाद न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए बिना सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए दबाव बनाकर सुनवाई की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मांग मान लिए जाने से सारे देश एवं दुनिया में यह संदेश जा रहा है, कि भारतीय न्यायपालिका सरकार के दबाव में काम कर रही है। यह स्थिति ना तो सरकार के लिए अच्छी है ना ही न्यायपालिका के लिए अच्छी मानी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले की सुनवाई करते हुए मुंबई हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई के लिए 8 नवंबर की तारीख तय कर दी है।

इस केस में एक आरोपी की जेल के अंदर ही मौत हो चुकी है। साईं बाबा 90 फ़ीसदी विकलांग है। वह अपने खुद के जरूरी काम नहीं कर पाते हैं। ट्रायल कोर्ट में पूरी सुनवाई के बाद हाई कोर्ट में यह मामला कई वर्षों तक लंबित रहा। जब न्याय मिला, उसके बाद भी साईं बाबा जेल से बाहर नहीं निकल पाए। रिहाई के पहले ही सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। सुप्रीम कोर्ट ने भी बांबे हाईकोर्ट के आदेश पर तुरंत रोक लगा दी। बाबा राम रहीम जैसे अपराधी को जेल से पैरोल मिल जाती है लेकिन पिछले 8 वर्षों में एक प्रोफेसर को जिस तरीके से विचारधारा के नाम पर प्रताड़ित किया जा रहा है उससे देश एवं दुनिया में भारतीय न्यायपालिका की साख खत्म होती जा रही है।

अहोई अष्टमी : संतान की सलामती का व्रत

(अहोई अष्टमी व्रत (17 अक्तूबर) पर विशेष)

भारतीय समाज में प्रत्येक त्यौहार का अपना एक विशेष महत्व है। ऐसे प्रत्येक अवसर पर की जाने वाली पूजा तथा व्रत में कोई न कोई विशेष उद्देश्य निहित होता है। कार्तिक कृष्ण पक्ष में तो वैसे भी तिथि-त्यौहारों की भरमार रहती है। जिस प्रकार सम्पूर्ण भारत में पति की दीर्घायु की कामना के लिए 'करवा चौथ' व्रत मनाया जाता है, ठीक उसी प्रकार करवा चौथ के चार दिन पश्चात् संतान की सुख-समृद्धि तथा लंबी आयु की कामना के लिए 'अहोई अष्टमी' व्रत रखा जाता है। अहोई अष्टमी के दिन माता पार्वती की पूजा का विधान है। दरअसल माता पार्वती संतान की रक्षा करने वाली देवी मानी गई हैं। पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत के प्रताप से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत के प्रताप से बच्चों की रक्षा होती है, वहीं इसे संतान प्राप्ति के लिए भी सर्वोत्तम माना गया है। अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान फल की प्राप्ति होती है और जो महिलाएं पूरे विधि-विधान से यह व्रत रखती हैं, उनके बच्चे दीर्घायु होते हैं। जिन महिलाओं की संतान का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता हो, बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हों, ऐसे बच्चों के स्वास्थ्य लाभ तथा दीर्घायु प्राप्ति के लिए अहोई अष्टमी व्रत किया जाता है। हालांकि इस व्रत के संबंध में यह नियम भी माना जाता है कि एक साल यह व्रत करने के बाद यह व्रत आजीवन नहीं टूटना चाहिए अर्थात् प्रतिवर्ष किया जाना चाहिए।

अहोई का अर्थ है, 'जो अनहोनी से बचाए' और इसे 'अहोई अष्टमी' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि किसी भी अमंगल या अनिष्ट से अपने बच्चों की रक्षा के लिए महिलाओं द्वारा किया जाने वाला यह व्रत कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी को मनाया जाता है। चूंकि यह व्रत अष्टमी के दिन पड़ता है, इसीलिए इसे 'अहोई आठे' भी कहा जाता है। विशेषकर उत्तर भारत में इस व्रत का विशेष महत्व है। करवा चौथ की ही भांति महिलाएं इस दिन भी कठोर व्रत रखती हैं और दिनभर पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करती। अंतर केवल इतना है कि करवा चौथ व्रत में जहां महिलाएं चन्द्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोलती हैं, वहीं अहोई अष्टमी व्रत तारे निकलने के बाद सायंकाल में तारों को अर्ध्य देकर खोला जाता है। चूंकि इस दौरान चंद्रोदय बहुत देर से होता है, इसीलिए तारों को ही अर्ध्य देकर व्रत खोलने की परम्परा चली आ रही है। हालांकि कुछ महिलाएं चंद्रोदय तक इंतजार करती हैं और चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोलती हैं।

इस दिन महिलाएं चांदी की अहोई बनाकर उसकी पूजा करती हैं, जिसमें चांदी के मनके डाले जाते हैं और प्रतिवर्ष इस व्रत में इन मनकों की एक-एक संख्या बढ़ाती जाती हैं। पूजन के पश्चात् महिलाएं इसी माला को गले में पहनती हैं। अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं गोबर से अथवा गेरु आदि के द्वारा दीवार पर अहोई की आकृति बनाती हैं या फिर किसी मोटे वस्त्र पर चित्रांकन के द्वारा आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाकर दीवार पर टांग दिया जाता है। अहोई के चित्रांकन में अधिकांशतः आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है और उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। सायंकाल के समय इसकी पूजा की जाती है। पूजा के दौरान महिलाएं प्रायः 'अहोई जिए, अहोआ जिए, मुशा जिए, पूता जिए'' शब्दों का उच्चारण करती हैं। आजकल बाजार में अहोई के रंगीन चित्र भी मिलने लगे हैं, बहुत सी महिलाएं इन्हीं को दीवार पर चिपकाकर पूजा करने लगी हैं। संध्या के समय सूर्यास्त होने के बाद जब तारे निकलने लगते हैं तो अहोई माता की पूजा आरंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को साफ करके, पूजा का चौक पूरकर एक लोटे में जल भरकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख दिया जाता है और व्रत रखने वाली महिलाएं श्रद्धा भाव से अहोई अष्टमी के व्रत की कथा सुनते हुए अपने बाल-बच्चों के कल्याण की कामना के साथ भक्ति भाव से पूजा करती हैं। कहा जाता है कि इसी दिन से दीपावली के उत्सव का आरंभ हो जाता है।

अहोई अष्टमी का व्रत मनाए जाने के संबंध में कुछ दंतकथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नामक एक व्यक्ति रहता था, जिसकी बहुत सी संतानें थीं लेकिन दुर्भाग्यवश उसकी सभी संतानें अल्पायु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगी। अपने बच्चों की इस प्रकार अकाल मृत्यु से पति-पत्नी बहुत दुखी रहने लगे। उसके बाद काफी लंबे समय तक उनके कोई संतान न होने से उदास होकर पति-पत्नी अपनी सारी धन दौलत का त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर गए। बद्रिकाश्रम के निकट स्थित जलकुंड के पास पहुंचकर वे उसी स्थान पर अपने प्राण त्यागने का निश्चय करके अन्न-जल का त्याग कर वहीं उपवास पर बैठ गए। एक-एक कर इसी प्रकार छह दिन बीत गए और तब एकाएक आकाशवाणी हुई, ''हे साहूकार! तुम्हें यह दुःख तुम्हारे पूर्व जन्म के पापों के कारण मिल रहा है। इन पापों के प्रभाव से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन कर अहोई माता की पूजा-अर्चना करनी होगी, जिससे प्रसन्न हो अहोई माता ही तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घायु का वरदान भी देंगी।'' आकाशवाणी सुन पति-पत्नी ने पूरे विधि-विधान से अहोई अष्टमी का व्रत किया और अहोई माता से अपने पूर्व जन्म के पापों की क्षमा याचना की, जिससे प्रसन्न होकर अहोई माता ने उन्हें संतान प्राप्ति और उसकी दीर्घायु का वरदान दिया। मान्यता है कि तभी से अहोई अष्टमी व्रत मनाए जाने की परम्परा प्रचलित हो गई।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(लेखक-योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस

(17 अक्टूबर)गरीबी अपने आप में बहुत बड़ा अभिशाप हैं।गरीबी के कारण मनुष्य को क्या क्या नहीं करना पड़ता हैं।गरीबी के अनेक कारण होते हैं।व्यक्ति की गरीबी और देश की गरीबी में बहुत अंतर होता हैं।आर्थिक संतुलन का न होना के अलावा देश में भ्रष्टाचार और राजनैतिक हस्तक्षेप का होना भी एक महत्वपूर्ण कारक हैं।रोजगारी और व्यवसाय का समान अवसर न मिलना संभव नहीं हैं।

गरीबी सिर्फ आमदनी से नहीं शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ पोषण लेवल से भी तय होती है।

व्यवहार में सभी के लिए गरिमा 2022 -2023 के लिए गरीबी उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का मुख्य विषय है। मनुष्य की गरिमा न केवल अपने आप में एक मौलिक अधिकार है बल्कि अन्य सभी मौलिक अधिकारों का आधार है।

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का प्रमुख उद्देश्य विकासशील देशों में निर्धनता को समाप्त करना है। यह दिवस गरीबी में रहने वाले लोगों के साथ सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोगों को गरीबी से बाहर लाने के प्रयास पर जोर देता है।

इस दिवस का मनाने का उद्देश्य विश्व समुदाय में गरीबी दूर करने हेतु किये जा रहे प्रयासों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का प्रमुख उद्देश्य विकासशील देशों में निर्धनता को समाप्त करना है।

यह दिवस गरीबी में रहने वाले लोगों के साथ सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोगों को गरीबी से बाहर लाने के प्रयास पर जोर देता है। साथ ही, उनके लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य में यह बताया गया है कि किसी एक विशेष कारण के चलते नहीं बल्कि भिन्न-भिन्न कारणों की वजह से लोगों को गरीबी में जीवन व्यापन करने हेतु मजबूर होना पड़ता है। केवल आय का साधन एवं आमदनी ही गरीबी का मुख्य कारण नहीं है बल्कि भोजन, घर, भूमि, स्वास्थ्य आदि भी गरीबी के निर्धारण में अहम भूमिका निभाते हैं।

भारत में गरीबी का कारण

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी इत्यादि है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसकी एक बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। खराब कृषि और बेरोजगारी के कारण से लोगों को भोजन की कमी से जूझना पड़ता है। यही वजह है कि महंगाई ने भी पंख फैला रखे हैं। वहीं भारत में गरीबी का एक प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या भी है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 22 दिसम्बर 1992 को हरेक साल 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी। इस दिवस पर भिन्न-भिन्न राष्ट्रों द्वारा गरीबी उन्मूलन हेतु प्रयास, विकास एवं विभिन्न कार्यों और योजनाओं को जारी किया जाता है।

यह दिवस पहली बार साल 1987 में फ्रांस में मनाया गया था। इस दिवस में लगभग एक लाख लोगों ने मानव अधिकारों हेतु प्रदर्शन किया था। यह आंदोलन एटीडी फोर्थ वर्ल्ड के संस्थापक जोसफ व्रेंसिकी द्वारा शुरू किया गया था।

गरीबी कैसे मापी जाती है?

जिस वर्ग या देश में लोगों का जीवन स्तर या प्रति व्यक्ति आय का स्तर कम रहता है वे उच्च निर्वाह स्तर या अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले लोगों की तुलना में गरीब माने जाते हैं। लोगों के निर्वाह स्तर को आय एवं उपयोग व्यय के आधार पर मापा जाता है।

कुपोषण के मामले बढ़े

भारत में गरीबी मापने के अन्य मापक में खाने के सामान में शामिल चीजें आदि भी शामिल हैं। देश में कुपोषण और खाने पीने की चीजों की बर्बादी को भी गरीबी नापने का एक मापक बनाया गया है। वास्तव में इससे गरीबी में कमी आने की बात सामने नहीं आई है। देश में कुपोषित बच्चों की संख्या गरीबों की कुल संख्या की तुलना में बहुत अधिक है। भारत में पॉवर्टी लाइन (इदनूब थ्हा) वास्तव में गरीबों की सही संख्या का अंदाजा नहीं लगा पा रही हैं। इसका एक मतलब यह भी है कि लोग गरीबी रेखा से बाहर आ रहे हैं, लेकिन आमदनी घटने या खर्च बढ़ने की वजह से अपने परिवार को पोषक पदार्थ उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं।

गरीबी को ख़तम करना असंभव हैं कारण भारत देश कर्मवाद पर भरोसा करता हैं जो जैसा कर्म करता हैं वैसा फल भोगना पड़ता हैं।पर सरकारों को सुसंगत अवसर मुहैय्या कराना चाहिए।दूसरा निम्म वर्ग जैसे मजदुर वर्ग बहुत श्रम करता हैं पर बुरी आदतों जैसे शराब पीना ,मांस मच्छली खाना जुआ सट्टा खेलना ,आमदनी के अनुपात खर्च न करना और स्वस्थ्य न रहने के कारण अपव्यय होने से वे गरीब रहते हैं ,जिन्होंने भी अपनी आदतों में सुधार किया वे सुखी और सम्पन्न हुए हैं।

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे। दीन दुखी जीवों मेरे उर से करुणा- स्त्रोत बहें।

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

उत्सर्जन वृद्धि पर अंकुश लगाने हेतु भारत के सराहनीय प्रयास

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

पूरे विश्व में उत्सर्जन वृद्धि के चलते जलवायु में भारी परिवर्तन महसूस किया जा रहा है। विकसित देशों ने आर्थिक प्रगति को गति देने के उद्देश्य से प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन किया है, जिससे उत्सर्जन वृद्धि अत्यधिक मात्रा में हो रही है। उत्सर्जन वृद्धि को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर कई उपाय किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। परंतु, विकसित देश जिन्हें इस ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए वे कम रूचि ले रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारत इस क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के सम्बंध में हुए एक समझौते (पेरिस समझौता) के अन्तर्गत, संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य देश, इस बात पर राजी हुए थे कि इस सदी के दौरान वातावरण में तापमान में वृद्धि की दर को केवल 2 डिग्री सेल्सियस तक अथवा यदि सम्भव हो तो इससे भी कम अर्थात 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोक रखने के प्रयास करेंगे। उक्त समझौते पर, समस्त सदस्य देशों ने, वर्ष 2015 में हस्ताक्षर किए थे। परंतु, कई सदस्य देश, इस समझौते को लागू करने की ओर कुछ कार्य करते दिखाई नहीं दे रहे हैं।

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को सूचना दिए जाने के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान या अपडेटेड नैशनली डिटर्मिण्ड कोंट्रीब्यूशन्स (एनडीसी) को मंजूरी दी है। अपडेटेड एनडीसी, पेरिस समझौते के तहत आपसी सहमति के अनुरूप जलवायु परिवर्तन के खतरे का मुकाबले करने के लिए वैश्विक कार्रवाई को मजबूत करने की दिशा में भारत के योगदान में वृद्धि करने का प्रयास करता है। इस तरह के प्रयास, भारत की उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के रास्ते पर आगे बढ़ने में भी मदद करेंगे। यह देश के हितों को संरक्षित करेगा और यूएनएफसीसीसी के सिद्धांतों व प्रावधानों के आधार पर भविष्य की विकास आवश्यकताओं की रक्षा करेगा।

भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), ग़ैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 उें सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

आज इस बात को समझना भी बहुत ज़रूरी है कि सबसे अधिक उत्सर्जन किस क्षेत्र से हो से रहा है। भारत जैसे देश में जीवाश्म ऊर्जा का योगदान 70 प्रतिशत से अधिक है, जीवाश्म ऊर्जा, कोयले, डीजल, पेट्रोल आदि पदार्थों का उपयोग कर उत्पादित की जाती है। अतः वातावरण में उत्सर्जन भी जीवाश्म ऊर्जा के उत्पादन से होता है एवं इसका कुल उत्सर्जन में 35 से 40 प्रतिशत तक हिस्सा रहता है, इसके बाद लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा परिवहन साधनों के उपयोग के कारण होता है क्योंकि इनमें डीजल एवं पेट्रोल का इस्तेमाल किया जाता है। इन दोनों क्षेत्रों में भारत में बहुत सुधार देखने में आ रहा है। इस समय देश में सौर ऊर्जा की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा रही है। देश अब क्लीन यातायात की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिजली से चालित वाहनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है एवं मेट्रोपॉलिटन शहरों में मेट्रो रेल का जाल बिछाया जा रहा है। ध्ँ बल्बों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा उज्जवला योजना के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में लगभग प्रत्येक परिवार में ईंधन के रूप में गैस के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। इन सभी प्रयासों के चलते देश के वातावरण में उत्सर्जन के फैलाव में सुधार हो रहा है। यह सब अतुलनीय प्रयास कहे जाने चाहिए एवं भारत ने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि उत्सर्जन के स्तर को कम करने के लिए किस प्रकार आगे बढ़ा जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा देश में स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रकार के नवोन्मेश निर्णय भी लिए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को लागू करने से इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा में वृद्धि के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा उद्योग (ऑटोमोटिव आदि) में कम उत्सर्जन वाले उत्पादों जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों और कुशल उपकरणों का निर्माण व हरित हाइड्रोजन जैसी नवीन तकनीकों एवं ग्रीन जॉब्स में भी समग्र वृद्धि होगी। केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों ने इस सम्बंध में कई योजनाएं व कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। जिसके अंतर्गत जल, कृषि, वन, ऊर्जा और उद्यम, निरंतर गतिशीलता और आवास, कचरा प्रबंधन, चक्रीय अर्थव्यवस्था और संसाधन दक्षता आदि सहित कई क्षेत्रों में सुधार करने की दृष्टि से इन योजनाओं व कार्यक्रमों के तहत उचित उपाय किए जा रहे हैं। उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, भारत क्रमशः ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से आर्थिक विकास को अलग कर रहा है। अकेले भारतीय रेलवे द्वारा अपने लिए तय किए गए वर्ष 2030 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य से उत्सर्जन में सालाना 60 मिलियन टन की कमी आएगी। इसी तरह, भारत का विशाल एलईडी बल्ब अभियान सालाना 40 मिलियन टन उत्सर्जन को कम कर रहा है। इस प्रकार भारत विश्व के विकसित देशों सहित, समस्त देशों को उत्सर्जन वृद्धि पर अंकुश लगने के संदर्भ में राह दिखा रहा है।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस)

आज का इतिहास 17 अक्टूबर

1605 मुगल शासक अकबर की मौत हुई।
1813 नेपोलियन बोनापार्ट ने राइन महासंघ भंग कर दिया।
1854 ब्रिटिश और फ्रांसीसी फौजों ने संवस्तपोल की नाकेबंदी शुरू की।
1855 इंग्लैंड केहेनरी बेसेमर ने इस्पात बनाने की प्रक्रिया का पेटेंट कराया।
1906 स्वामी रामतीर्थ का निधन।
1915 अमरीकी नाटककार आर्थर मिलर का जन्म।
1918 यूगोस्लाविया गणराज्य की स्थापना हुई।
1927 नार्वे में लेबर पार्टी ने पहली बार सरकार का गठन किया।
1920 भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना ताशकंद में हुई।
1940 गांधीजी ने निजी सत्याग्रह की शुरूआत की।
1945 कर्नल जुआन पेरो अर्जेन्टीना के तानाशाह बन बैठे।
1972 दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चिंग ही पार्क ने मार्शल लॉ की घोषणा की।
1977 पश्चिमी जर्मनी के कमांडो दस्ते ने सोमालिया हवाई अड्डे पर लुफतांसा एयरलाइन के विमान पर हमला कर सभी 86 बंधकों को मुक्त करा लिया।
1989 कैलीफोर्निया में भूकंप से 60 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी थी।
1990 अमरीका और कुवैत ने इराकी राष्ट्रपति सद्दाम की समझौते की पेशकश ठुकराई।
1992 कोलम्बिया के मुरिडो में भूकंप से 500 लोग मारे गए।
2001 आंध्र प्रदेश के तटवर्ती इलाकों में तूफान से 41 मरे, सैकड़ों लापता।
2002 जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू। प्रसिद्ध कवि आलोचक लक्ष्मीकांत वर्मा का निधन।
2005 असम के पर्वतीय जिले कर्बी आंगलांग में जातीय हिंसा के दौरान 34 कर्बी आदिवासियों की हत्या।

शब्द पहेली -7439

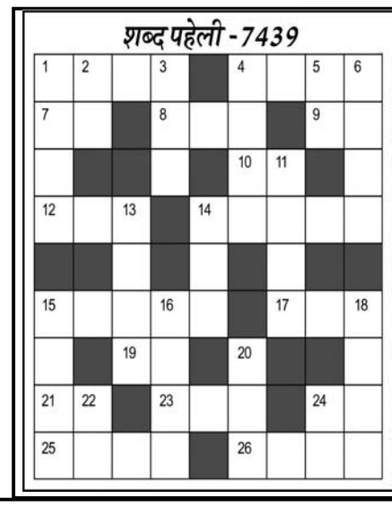

बाएँ से दाएँ

1.तमाशा करने वाला-4
4.शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7.बेल,लतिका-2
8.मामला-3
9.स्तर,परत-2
10.भागना (अंग्रेजी-2)
12.गिरवी रखी वस्तु-2
14.सजदे में झुका हुआ-5
15.असंभव-5
17.खुदा की इबादत-3
19.फायदा,लाभ-2
21.क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23.मुस्लिम,यवनी-3
24.मोल,कीमत-2
25.स्वभाव,आदत-4
26.करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1.शमशीर,कृपाण-4
2.मां,मम्मी-3
3.नीयत,चरित्र-4
4.ज्वरताप-2
5.राय,वोट-2
6.आंदोलन,संग्राम-4
11.क्षारीय,चटपटा-4
13.आशियां,नीड़-4
14.नेत्र,आंखें-3
15.अनभिज्ञ-4
16.बचत,रिआयत-4
18.आवश्यकता-4
20.उन्माद-2
22.वोट-2
24.अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -7438 का हल

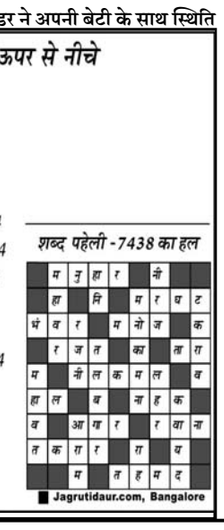

Jagrutidaur.com, Bangalore

डच क्राउन प्रिंसेस ने सुरक्षा खतरों के बाद छोड़ा फ्लैट

हेग (ईएमएस)। डच क्राउन प्रिंसेस कैथरीना-अमालिया सुरक्षा कारणों से एम्स्टर्डम में अपने छात्र के फ्लैट से शाही महल में चली गई हैं, किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा ने इसकी जानकारी दी। रानी मैक्सिमा ने कहा, उसके जीवन के लिए इसके बहुत बड़े परिणाम हैं। इसका मतलब है कि वह एम्स्टर्डम में नहीं रहती है और वास्तव में बाहर नहीं जा सकती है।ठकिंग विलेम-अलेक्जेंडर ने अपनी बेटी के साथ स्थिति को 'बहुत कठिन' बताया। क्वीन मैक्सिमा ने कहा, ठईमानदारी से कहूं तब यह सब बनाए रखने के लिए मुझे वास्तव में उस पर गर्व है।ठ 18 वर्षीय क्राउन प्रिंसेस पिछली गर्मियों में रहने और अध्ययन करने के लिए एम्स्टर्डम के एक छात्र के फ्लैट में चली गई। राजकुमारी के आसपास के सुरक्षा उपायों को काफी बढ़ा दिया गया था।

वह और प्रधानमंत्री मार्क रूट कथित तौर पर संगठित अपराध संचार में दिखाई दिए, जो हमले या अपहरण की योजना का संकेत दे सकता है। पुलिस और लोक अभियोजन सेवा ने मामले के बारे में और कोई बयान नहीं दिया, लेकिन राजा और रानी के बयानों के बाद यह स्पष्ट है कि खतरा गंभीर है और राजकुमारी के जीवन पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। न्याय और सुरक्षा मंत्री दिलान येसिलगोज ने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हर कोई अमलिया को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। मैं विशिष्ट खतरों या विशिष्ट सुरक्षा उपायों के बारे में कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं गारंटी देता हूं, कि हमारी सुरक्षा सेवाएं उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही हैं।ठ

खेल - समाचार

टी20 विश्वकप : नीदरलैंड्स ने यूएई को तीन विकेट से हराया

जिलॉन्ग (ईएमएस)। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स और टिम प्रिंजल की शानदार बल्लेबाजी से नीदरलैंड ने यहां आज शुरु हुए टी20 पुरुष विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के दूसरे क्वालीफाइंग मुकाबले में यूएई को तीन विकेट से हरा दिया। इस मैच में यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 111 रन बनाए। इस प्रकार डच टीम को जीत के लिए 112 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे उसने सात विकेट के नुकसान पर एक गेंद पहले ही हासिल कर लिया। अंतिम ओवर में नीदरलैंड को जीत के लिए 6 रनों की जरूरत थी। तब पहली तीन गेंदों पर तीन रन लेने के बाद कप्तान एडवर्ड्स ने चौथी गेंद पर 2 रन लिया। 5वीं गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिला दी। वह 16 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं यूएई की ओर से जुनैद सिद्दिकी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी के दौरान यूएई के सलामी बल्लेबाज चिराग सूरी और मुहम्मद वसीम ने धीमी शुरुआत की। 6 ओवर के बाद टीम ने बिना कोई विकेट खोय 31 रन बनाये थे। 7वें ओवर में चिराग 20 गेंदों पर 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट

सन 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जाएगा भारत : आईएमएफ

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सन 28 तक जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वर्ल्ड इकोनॉमिक डाटाबेस के हवाले से यह बात कही गई है। यूएस और चीन शीर्ष 2 अर्थव्यवस्थाएं बनी रहेंगी। हाल ही में यूके को हटाकर भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत उन सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अग्रणी रहने वाला है, जिनकी अगले एक दशक में कुल वैश्विक जीडीपी में आधी हिस्सेदारी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी और युद्ध के कारण उपजी महंगाई ने अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं को पीछे धकेल दिया है और इनमें ग्रोथ की संभावना काफी कम है।

ऐसा नहीं है कि वैश्विक परिस्थितियों ने भारत को प्रभावित नहीं किया है। कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी व वित्तीय संस्थानों ने भारत की ग्रोथ रेट को पहले से घटा दिया है। इसमें आईएमएफ की हालिया प्रोजेक्शन भी शामिल है। इसके बावजूद भारत इस साल और अगले साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के अनुसार, भारत 2022 में 6।8 और 2023 में 6.1 फीसदी की दर से वृद्धि करेगा। भारत की वृद्धि को भी धक्का लगा है लेकिन इसकी गति फिर भी ठीक बनी रहने की उम्मीद है। अन्य कई करेंसी के मुकाबले रुपये में हुई गिरावट काफी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महंगाई अभी आसमान नहीं छू रही है। चालू खाता घाटा अधिक है लेकिन आने वाले कुछ समय में इसमें भी कमी आने की उम्मीद है। देश की वित्तीय स्थिति दुरुस्त है। बैंक मजबूत हुए हैं और क्रेडिट में वृद्धि दर्ज की गई है। आईएमएफ के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,520 डॉलर (2.07 लाख रुपए) है।

आईएमएफ और विश्व बैंक की बैठक में शामिल होने यूएस गईं देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मजूबत आर्थिक स्थिति को लेकर कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत उन चुनिंदा देशों में से है जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आईएमएफ के ही अनुमान का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

- डीजल के निर्यात पर कुल टैक्स अब 12 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भी शुल्क को बढ़ा दिया गया। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में इस वृद्धि की जानकारी दी। अब डीजल के निर्यात पर लगने वाला अप्रत्याशित लाभ कर 10.50 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसमें 1.50 रुपए का सड़क एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सेस भी लगेगा। यानी डीजल के निर्यात पर कुल टैक्स अब 12 रुपए प्रति लीटर हो गया है जबकि एटीएफ पर अब यह टैक्स 3.50 रुपए प्रति लीटर लगेगा। वहीं घरेलू स्तर पर निकाले गए कच्चे तेल पर शुल्क को 3,000 रुपए तक बढ़ाकर 11,000 रुपए प्रति टन करने की घोषणा की गई। नई दरें रविवार लागू हो गई हैं। इससे पहले लगातार दो समीक्षा बैठकों में विंडफॉल टैक्स में कटौती की गई थी. 2 अक्टूबर को केंद्र ने डोमेस्टिक क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 10,500 रुपए प्रति टन से घटाकर 8,000 रुपए प्रति टन कर दिया था। फ्यूल जेट के निर्यात पर यह टैक्स खत्म और डीजल के निर्यात पर इसे आधार कर दिया गया था। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हाल में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए इस बार कच्चे तेल, डीजल और एटीएफ पर शुल्क बढ़ाने का फैसला किया गया।

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की ?दिशा

- रुपए में उतार-चढ़ाव और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड में रुझान भी कारोबार को प्रभावित करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा घोषित होने वाले तिमाही प?रिणामों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। इसके अलावा विदेशी पूंजी का प्रवाह भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने कहा कि रुपए में उतार-चढ़ाव और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड में रुझान भी कारोबार को प्रभावित करेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि बाजार की नजर दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुझानों पर होगी। इस हफ्ते कई वित्तीय कंपनियों और सीमेंट कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बहुत है जिसका प्रभाव हमारे बाजार पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और चीन के व्यापक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा डॉलर सूचकांक, कच्चा तेल और अमेरिकी बांड के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। एसीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी बड़ी कंपनियां और कई अन्य कंपनियां नतीजे घोषित करने वाली हैं। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए जिनके मुताबिक फंसे कर्ज के लिए प्रावधान घटाने से उसका समेकित शुद्ध लाभ 22.30 फीसदी बढ़कर 11,125.21 करोड़ रुपए हो गया है। उनका कहना है ?कि इस हफ्ते सारा ध्यान कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगा तथा भावी आय वृद्धि के बारे में जानना दिलचस्प रहने वाला है।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 9 फीसदी बढ़ा

- डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पांचवे व छठे वेतन आयोग के तहत वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि कर दी है. इस वृद्धि के बाद छठे वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 203 फीसदी से बढ़कर 212 फीसदी हो गया है। डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू मानी जाएंगी। इसके अलावा पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे केंद्रीय कर्मचारियों के डीए को 15 फीसदी बढ़ाकर 396 फीसदी कर दिया गया है। इन कर्मचारियों के लिए भी बढ़ोतरी 1 जुलाई से ही लागू मानी जाएगी। महंगाई भत्ता किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर तय किया जाता है। अगर किसी केंद्रीय कर्मचारी की बेसिक सैलरी 43000 रुपए प्रति माह है तो उसे पुराने डीए (203 फीसदी) के तहत 87,290 रुपए मिलते होंगे। वहीं डीए 212 फीसदी होने के बाद ये बढ़कर 91,160 रुपए हो जाएगा। इससे उनके वेतन में करीब 3800 रुपए का इजाफा हो जाएगा। बता दें कि डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर (डीओआई) ने 12 अक्टूबर को एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी कर डीए बढ़ोतरी की सूचना दी थी। सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारियों का डीए व डीआर (महंगाई राहत) सितंबर में 34 फीसदी से बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया था। इसके बाद से ही छठे व पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारी, पूर्व कर्मचारी डीए या डीआर बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से मुकाबले के लिए भत्ता देती है। इसी को महंगाई भत्ता (कर्मचारियों के लिए) और महंगाई राहत (पेंशनभोगियों के लिए) कहते हैं। केंद्र सरकार जुलाई और जनवरी में इसकी समीक्षा करती है। डीए इस बात पर भी निर्भर करता है कि कर्मचारी किस क्षेत्र में काम करता हैं। यानी शहरी क्षेत्र, लघु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का डीए अलग-अलग होता है। डीए किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर होता है। बेसिक पे में किसी अन्य तरह का विशेष भुगतान नहीं होता है और ये शुद्ध वेतन होता है।

आप ने जारी की 12 उम्मीदवारों की 5वीं सूची

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को अपनी पांचवीं सूची जारी कर दी है। इस सूची में 12 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। 'आप' की ओर से इन्हें मिलाकर अब तक 53 उम्मीदवारों का नाम का ऐलान किया जा चुका है।

182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा के लिए साल के अंत तक चुनाव होने की उम्मीद है। 'आप' की इस 5वीं लिस्ट में भुज सीट से राजेश पंडोरिया, इडर सीट से जयंतीभाई परनामी, निकोल सीट से अशोक गजेरा, साबरमती सीट से जसवंत ठाकोर, टंकारा सीट से संजय भटसाना, कोडिनार सीट से विजयभाई मकवाना, महुधा सीट से राजीवभाई सोमाभाई वाघेला, बालासीनोर सीट से उदयसिंह चौहान, मोरवा हदफ सीट से बानाभाई दामोर, झालोड़ सीट से अनिल गरासिया, डेडियापाड़ा सीट से चैतर वसावा और व्यारा सीट से बिपिन चौधरी को उतारा गया है।

आप की गुजरात इकाई ने रविवार को ट्वीट कर कहा, गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 के तहत आम आदमी पार्टी की पांचवीं सूची में स्थान हासिल करने वाले सभी उम्मीदवारों को बधाई और शुभकामनाएं! अभी बदलाव की जरूरत है! एक मौका दीजिए। बता दें कि, वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य में 99 सीटें हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को 77 सीट मिली थीं। भाजपा ने अधिकतर शहरी क्षेत्रों में जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया था। गौरतलब है कि 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा के लिए इस साल के अंत में चुनाव होने हैं और राज्य में भाजपा, कांग्रेस और 'आप' के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 9 फीसदी बढ़ा

- डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पांचवे व छठे वेतन आयोग के तहत वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि कर दी है. इस वृद्धि के बाद छठे वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 203 फीसदी से बढ़कर 212 फीसदी हो गया है। डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू मानी जाएंगी। इसके अलावा पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे केंद्रीय कर्मचारियों के डीए को 15 फीसदी बढ़ाकर 396 फीसदी कर दिया गया है। इन कर्मचारियों के लिए भी बढ़ोतरी 1 जुलाई से ही लागू मानी जाएगी। महंगाई भत्ता किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर तय किया जाता है। अगर किसी केंद्रीय कर्मचारी की बेसिक सैलरी 43000 रुपए प्रति माह है तो उसे पुराने डीए (203 फीसदी) के तहत 87,290 रुपए मिलते होंगे। वहीं डीए 212 फीसदी होने के बाद ये बढ़कर 91,160 रुपए हो जाएगा। इससे उनके वेतन में करीब 3800 रुपए का इजाफा हो जाएगा। बता दें कि डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर (डीओआई) ने 12 अक्टूबर को एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी कर डीए बढ़ोतरी की सूचना दी थी। सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारियों का डीए व डीआर (महंगाई राहत) सितंबर में 34 फीसदी से बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया था। इसके बाद से ही छठे व पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारी, पूर्व कर्मचारी डीए या डीआर बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से मुकाबले के लिए भत्ता देती है। इसी को महंगाई भत्ता (कर्मचारियों के लिए) और महंगाई राहत (पेंशनभोगियों के लिए) कहते हैं। केंद्र सरकार जुलाई और जनवरी में इसकी समीक्षा करती है। डीए इस बात पर भी निर्भर करता है कि कर्मचारी किस क्षेत्र में काम करता हैं। यानी शहरी क्षेत्र, लघु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का डीए अलग-अलग होता है। डीए किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर होता है। बेसिक पे में किसी अन्य तरह का विशेष भुगतान नहीं होता है और ये शुद्ध वेतन होता है।

अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर भारत के पहले एल्युमिनियम फ्रेट रेक - 61 बीओबी आरएनएएलएचएसएम1 का उद्घाटन किया

यह रेक रेलवे, बेस्को लिमिटेड वैगन डिवीजन और हिंडाल्को के संयुक्त प्रयासों से स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है

पारंपरिक रेक की तुलना में इस एल्युमिनियम रेक के कई लाभ हैं

प्रविष्टि तिथि: 16 ध्ऊ 2022 3:57इश्ंब इदँ अत्प्र

केन्द्रीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर भारत के पहले एल्युमिनियम फ्रेट रेक - 61 बीओबीआरएनएएलएचएसएम1 का उद्घाटन किया। इस रेक का गंतव्य बिलासपुर है।

यह रेक 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के लिए एक समर्पित प्रयास है क्योंकि इसे आरडीएसओ, हिंडाल्को और बेस्को वैगन के सहयोग से स्वदेशी रूप से पूरी तरह से डिजाइन और विकसित किया गया है।

एल्यूमिनियम रेक की विशेषताएं:

अधिसंरचना पर बिना वेल्डिंग के पूरी तरह से लॉकबोल्टेड निर्माण।

इसका टेयर सामान्य स्टील रेक से 3.25 टन कम है और इसकी अतिरिक्त वहन क्षमता 180 टन की है जिसके परिणामस्वरूप प्रति वैगन प्रवाह- क्षमता (थ्रूपुट) अपेक्षाकृत ऊंची है।

टेयर के अनुपात में उच्च पेलोड 2.85 है।

टेयर कम होने से कार्बन उत्सर्जन कम होगा क्योंकि खाली दिशा में ईंधन की खपत कम होगी और लोडेड स्थिति में माल ढुलाई अधिक होगी। एक अकेला रेक अपने जीवनकाल में 14,500 टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड बचा सकता है।

इस रेक का पुनर्विक्रय मूल्य 80 प्रतिशत है।

इसकी लागत 35 प्रतिशत अधिक है क्योंकि अधिसंरचना पूरी तरह एल्यूमीनियम की है।

उच्च संक्षारण और घर्षण प्रतिरोध के कारण कम रखरखाव लागत।

लौह उद्योग निकेल और कैडमियम की बहुत अधिक खपत करता है, जो आयात से आता है। इसलिए, एल्युमीनियम वैगनों के प्रसार के परिणामस्वरूप कम आयात होगा। वहीं, यह स्थानीय एल्युमीनियम उद्योग की दृष्टि से भी लाभकारी है।

आईबी की रिपोर्ट में गुजरात में आप की सरकार बन रही है - अरविंद केजरीवाल

भावनगर (ईएमएस)। नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के भावनगर में कहा कि आपके लिए खुशखबरी लाया हूं, आईबी की रिपोर्ट आई है, रिपोर्ट यह है कि गुजरात मे आप की सरकार बन रही है। लेकिन यह जीत किनारे पर है, अभी 92-93 सीटें आ रही हैं, 150 सीटें आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, ''आठ दिसंबर को वोटों की गिनती होगी, 15 दिसंबर को आप की सरकार बन जाएगी। 31 दिसंबर तक सभी तरह के आंदोलन, और कर्मचारियों पर जो उन्होंने (बीजेपी) केस किए हैं वह सब केस वापस ले लिए जाएंगे। सरकार बनते ही यह सबसे पहला काम होगा। दूसरा काम यह करेंगे कि गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। गुजरात में इतना भ्रष्टाचार है कि बजट घाटे में चल रहा है। 2.5 लाख करोड़ रुपये का हर साल का गुजरात का बजट है। अरबों खरबों रुपये इनके आपके पास हैं, लेकिन यह बताओ क्या आपके इलाके में सड़क बनी, स्कूल बना या अस्पताल बना? कॉलेज बना? कहां गया सारा पैसा? यह लोग खा गए। हमारी सरकार बनेगी तो सारा पैसा इनके गले में हाथ डालकर निकाल लाएंगे।''

केजरीवाल ने कहा कि, ''पहली बार गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त शासन मिलेगा। कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करेगा तो सीधा जेल जाएगा। भगवंत मान साहब ने हाल में एक मंत्री को पकड़वा दिया और जेल में डाल दिया। 15 दिसंबर के बाद आपके काम बिना रिश्वत के होंगे। हमने दिल्ली में करके दिखाया है।''

उन्होंने कहा कि, ''दिल्ली में बिजली का बिल जीरो आता है। पंजाब में भी जीरो आता है। अब गुजरात में भी एक मार्च से बिजली का बिल जीरो आएगा। बकाया बिजली बिल भी माफ किया जाएगा। ये लोग मुझे गाली देते हैं कि केजरीवाल फ्री दे रहा है। गरीब लोगों को महंगाई के दौर में कुछ राहत दे दी तो कौन सा गुनाह कर दिया? मुख्यमंत्री को, मंत्री को मुफ्त बिजली मिलती है तो ऐसे में जनता को मुफ़्त दे दी तो क्यों मिर्ची लग रही है?'

केजरीवाल ने कहा कि, ''18 साल से ऊपर की हर महिला के लिए हर महीने 1000 रुपये उनके बैंक अकाउंट में डाला करेंगे।'' केजरीवाल ने गुजराती में कहा- ''अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, आपका भाई आ गया है।''

दिल्ली के सीएम ने कहा कि, ''जैसे दिल्ली में शानदार स्कूल बनाए हैं वैसे ही पूरे गुजरात में शानदार स्कूल बनाएंगे। दिल्ली में शानदार अस्पताल बना दिए, शानदार मोहल्ला क्लीनिक बना दिए। गुजरात में भी ऐसा ही करेंगे और इलाज मुफ़्त करेंगे। गुजरात में 20,000 मोहल्ला क्लीनिक बनाने हैं। 6।5 करोड़ गुजरातियों का इलाज पूरा मुफ़्त होगा।''

उन्होंने कहा कि, ''मुझे राजनीति करना, गुंडागर्दी करना, बदमाशी करना, भ्रष्टाचार करना नहीं आता। मैं पढ़ा लिखा आदमी हूं। अपने बच्चों के लिए स्कूल बनवाने हैं, परिवार के लिए अच्छा इलाज करवाना है तो मेरे पास आना।''

केजरीवाल ने कहा कि, ''केंद्र सरकार का सर्वे आया है जिसमें बताया गया है कि सबसे ज्यादा महंगाई कहां है। सर्वे में बताया गया है कि सबसे कम महंगाई दिल्ली में और सबसे ज्यादा गुजरात में है। गुजरात में दिल्ली से दो गुनी महंगाई है, क्योंकि गुजरात में इतना भ्रष्टाचार है। ईमानदार सरकार को वोट दोगे तो दिल्ली में जैसे सस्ता कर दिया, गुजरात में भी सस्ता कर देंगे।''

उन्होंने कहा कि, ''उनको (बीजेपी) बड़े-बड़े नेता आजकल गुजरात आ रहे हैं। कहते हैं 30 हज़ार करोड़ का पैकेज दे दिया। मेरे पास 30000 करोड़ रुपये नहीं हैं लेकिन यह कह सकता हूं कि अगर हम जीत गए तो आपके परिवार का 30,000 का फायदा करा दूंगा। मुफ्त इलाज करवा दूंगा, मुफ्त बिजली दे दूंगा, बेरोजगार कोई है तो उसके लिए रोजगार का इंतज़ाम कर दूंगा और जब तक रोजगार नहीं मिलेगा तब तक बेरोजगारी भत्ता दूंगा।''

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, ''गुजरात मे 10 लाख सरकारी नौकरी निकालेंगे। वड़ोदरा में जब मैं गया था तो सड़क किनारे कुछ बच्चे मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। मैं उन बच्चों से कहना चाहूंगा कि किसी के भी नारे लगाओ लेकिन आपको नौकरी तो मैं ही दूंगा, बिजली मुफ़्त मैं ही दूंगा। मैंने उनसे पूछा कि क्यों नारे लगा रहे हो, क्या मिलता है? तो बोले पैसे मिलते हैं, इसलिए नारे लगा रहे हैं। वोट तो आपको ही देंगे।''

उन्होंने कहा कि, ''अभी चुनाव के समय भी पेपर लीक होगए, क्योंकि ये लोग खुद शामिल हैं इसमें। सरकार बनने के बाद इसको लिए कानून बनाएंगे, जो पेपर लीक करेगा उसको 10 साल की सज़ा। किसानों की पांच फ़सलों पर शुल्क देंगे। अगर बाजार भाव कम है तो आगे इनकी संख्या और बढ़ाएंगे।'' केजरीवाल ने कहा कि, ''अगले साल अयोध्या में राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। दिल्ली मे मुफ्त तीर्थ यात्रा योजना चल रही है जिसमें लोग अयोध्या जाते हैं। गुजरात मे सरकार बनेगी तो सबको अयोध्या फ्री में ले जाएंगे।''

आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि, ''ये लोग कहते हैं डबल इंजन की सरकार, लेकिन अब गुजरात को डबल इंजन नहीं, नया इंजन चाहिए। नई पार्टी को वोट देकर देखिए, ट्राई कीजिए। एक मौका केजरीवाल को देकर देखिए। ६ की रिपोर्ट में लिखा है कि कांग्रेस की 10 से भी कम सीटें आ रही हैं। ये भी ँ्ढ़ में चली जाएंगी। कांग्रेस को वोट देकर वोट खराब मत करना, सबको ये बोलना।''

कांग्रेस करेगी 5 चुनावी यात्रा, गांधी आश्रम होगी शुरुआत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर भाजपा और आप पूरी ताकत के साथ प्रचार कर रहे हैं भाजपा की गुजरात गौरव यात्रा चल रही हैं आप ने गुजरात विधानसभा में कूदकर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया हैं हांलाकि चुनावी मैदान में अब तक नजर नहीं आनेवाली कांग्रेस भी हरकत में आ गई हैं गुजरात कांग्रेस आगामी दिनों में राज्यव्यापी 5 चुनावी यात्राएं करेगी आगामी 19, 20 और 21 अक्टूबर को कांग्रेस की स्क्रीनिंग समिति की बैठक होगी जिसमें उम्मीदवारों की पहली सूची पर मुहर लगेगी गुजरात कांग्रेस की स्क्रीनिंग समिति की बैठक दिल्ली में होगी इस बैठक के बाद केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी इस बैठक में उम्मीदवारों के नाम फाइनल किए जाएंगे और दिवाली के बाद कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने का आयोजन हैं दिल्ली में होनेवाले बैठक में गुजरात कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, प्रभारी रघु शर्मा और विपक्ष के नेता सुखराम राठवा शामिल होंगे

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों हेतु साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ियों का परिचालन

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	सेवा के दिवस	प्रस्थान	आगमन
09093	बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी	22.10.2022 तथा 29.10.2022	09.30 बजे (शनिवार)	09.30 बजे (अगले दिन)
09094	भगत की कोठी - बांद्रा टर्मिनस	23.10.2022 तथा 30.10.2022	12.15 बजे (रविवार)	11.45 बजे (अगले दिन)
ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, बीवर, मारवाड, पाली तथा लुणी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में.				
संयोजन : एसी 2 टियर, एसी 3-टियर, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेज.				
09415	बांद्रा टर्मिनस - गांधीधाम (सुपरफास्ट)	20.10.2022/ 27.10.2022/ 03.11.2022 एवं 10.11.2022	19.25 बजे (गुरुवार)	08.40 बजे (अगले दिन)
09416	गांधीधाम - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट)	20.10.2022/ 27.10.2022/ 03.11.2022 तथा 10.11.2022	00.30 बजे (गुरुवार)	14.20 बजे (उसी दिन)
ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, वीरमगाम, धरंगध्रा, सामाखियाली तथा भचाऊ स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में.				
संयोजन : एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेज.				
09207	बांद्रा टर्मिनस - भावनगर	21.10.2022/ 28.10.2022/ 04.11.2022/ 11.11.2022 तथा 18.11.2022	09.15 बजे (शुक्रवार)	23.45 बजे (उसी दिन)
09208	भावनगर - बांद्रा टर्मिनस	20.10.2022/ 27.10.2022/ 03.11.2022/ 10.11.2022 तथा 17.11.2022	14.50 बजे (गुरुवार)	06.00 बजे (अगले दिन)
ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, नाडियाद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर गेट, बोताड, धोला, सोनगड तथा भावनगर परा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में.				
संयोजन : एसी 2 टियर, एसी 3 - टियर, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेज.				
09129	वडोदरा - हरिद्वार (सुपरफास्ट)	22.10.2022/ 29.10.2022/ 05.11.2022 तथा 12.11.2022	19.00 बजे (शनिवार)	14.30 बजे (अगले दिन)
09130	हरिद्वार - वडोदरा (सुपरफास्ट)	23.10.2022/ 30.10.2022/ 06.11.2022 तथा 13.11.2022	17.20 बजे (रविवार)	11.25 बजे (अगले दिन)
ठहराव : गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, गंगापूर सिटी, मथुरा, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मेरठ नगर, मुजफ्फरनगर, टपरी तथा रूडकी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में.				
संयोजन : एसी प्रथम श्रेणी, एसी 2 टियर, एसी 3-टियर, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेज.				

समय-सारिणी, ठहरावों और संयोजन की विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

गाड़ी क्र. 09415, 09416, 09207 तथा 09208 के लिये बुकिंग सभी पीआरएस काउंटर्स पर तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर दि. 17.10.2022 से खुलेगी तथा गाड़ी क्र. 09093 तथा 09129 के लिये बुकिंग 18.10.2022 से शुरु होगी. उपरोक्त गाड़ियों को विशेष किराये पर विशेष गाडी के तौर पर संचालित किया जायेगा.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: twitter.com/WesternRly
Azadi Ka Amrit Mahotsav

कृपया सभी आरक्षित टिकटों हेतु अपने मूल पहचान प्रमाण साथ रखें

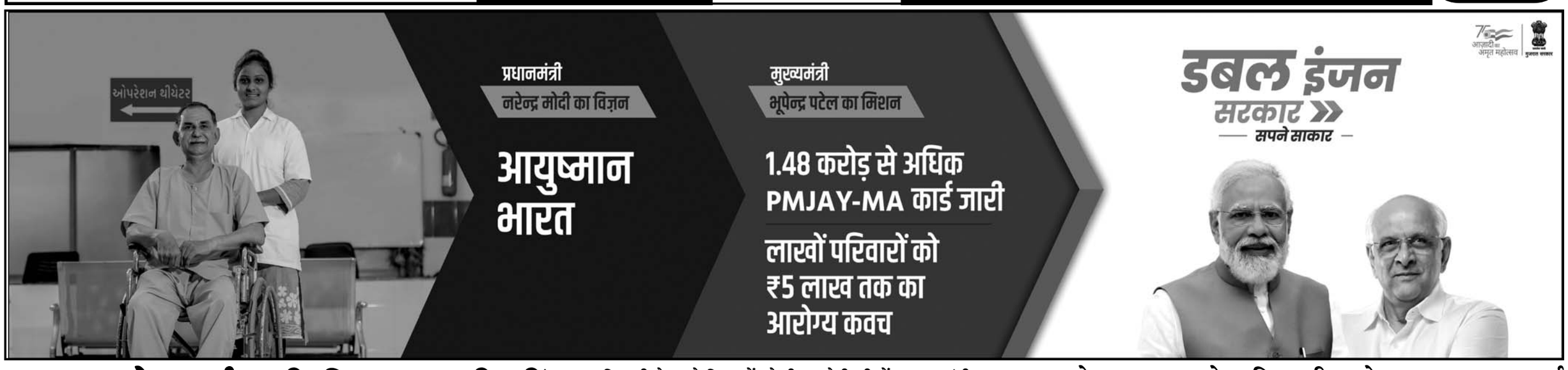

गुजरात के सर्वग्राही विकास की नींव में सुरक्षा का अहम योगदानः मुख्यमंत्री

- पुलिस बल को मिलेंगी 46 नवनियुक्त पुलिस निरीक्षकों की सेवाएं, 14 महिलाएं भी पुलिस बल से जुड़ीं

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य के सर्वग्राही और हरेक क्षेत्र के विकास की नींव में सुरक्षा और सलामती के प्रहरी पुलिस बल का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि स्वयं की फिक्र किए बगैर समाज की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कर्तव्यरत पुलिस बल ने गुजरात की विकसित और सुरक्षित राज्य की गरिमा को बढ़ाया है। यह बात उन्होंने कराई स्थित गुजरात पुलिस अकादमी में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर राज्य के पुलिस बेड़े में शामिल होने जा रहे 46 पुलिस निरीक्षकों (पीआई) की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए कही। गुजरात पुलिस अकादमी के इस गौरवशाली दीक्षांत समारोह में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार, पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकगण और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पुलिस बल की कर्तव्य भावना की सराहना की, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुरक्षा, सलामती और शांति का प्रहरी कहा है। उन्होंने कहा कि आज के समाज में जब युवाओं में डॉक्टर, इंजीनियर या अन्य व्यवसाय के प्रति अधिक रुझान देखने को मिल रहा है, तब समाज की रक्षा के लिए पुलिस बल को बतौर करियर चुनने की इन नवनियुक्त अधिकारियों की भावना बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों को टेक्नोलॉजी का समयानुकूल उपयोग करते हुए और जनजीवन की सुरक्षा की संपूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सेवारत रहने का भाव उजागर करने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के अमृत काल में विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए जो संकल्प दिए हैं, उसे साकार करने के लिए रक्षा शक्ति क्षेत्र के ये कर्मयोगी कर्तव्य और निष्ठा के साथ अपना योगदान देंगे। भूपेंद्र पटेल ने 'आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर गुजरात' का आह्वान करते हुए कहा कि सुरक्षा की मजबूत बुनियाद के आधार पर विकास की नई ऊंचाइयों को छूकर आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री ने इस बात की सराहना की कि नवनियुक्त अधिकारियों में 14 महिलाओं के साथ 3 डॉक्टर, 25 इंजीनियर शामिल हैं जबकि 3 अधिकारियों के पास स्नातकोत्तर की उपाधि है। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पदक, पुरस्कार और 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। भारत की आन-बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के तले मुख्यमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में सीधी भर्ती की दूसरी बैच के इन 46 पुलिस निरीक्षकों ने शपथ ग्रहण की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने परेड का निरीक्षण किया। कराई परेड ग्राउंड में जांबाज पुलिस निरीक्षकों की प्लाटून ने अनुशासित तरीके से मार्च पास्ट कर सलामी देकर मुख्यमंत्री सहित महानुभावों का अभिवादन किया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संघर्ष के साथ देश को एक नए मुकाम पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जब बात राज्य की सुरक्षा और कानून व्यवस्था की आती है, तब गुजरात को बुलंदी पर पहुंचाने में पुलिस विभाग के उल्लेखनीय योगदान का जिक्र अवश्य आता है। गृह राज्य मंत्री ने नवनियुक्त अधिकारियों को सफल करियर की शुभकामनाएं देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि सीधी भर्ती की दूसरी बैच के ये 46 पुलिस अधिकारी राज्य की सुरक्षा, सलामती और शांति को बनाए रखेंगे और राज्य की प्रगति को एक नए मुकाम पर पहुंचाएंगे।

पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) विकास सहाय ने विस्तृत प्रशिक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस बात पर खुशी व्यक्त की कि सीधी भर्ती की दूसरी बैच के कुल 46 पुलिस निरीक्षकों में से 14 महिलाएं भी गुजरात पुलिस में जुड़ी हैं। इस बैच में 03 डॉक्टर और 25 इंजीनियर भी शामिल हैं। कराई स्थित पुलिस अकादमी में आयोजित दीक्षांत परेड समारोह में अकादमी के पुलिस उच्चाधिकारी, विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों सहित राज्य भर से उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दिवाली से पहले किसानों को पीएम मोदी की भेंटः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 12वीं किस्त होगी जारी

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 एवं 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दो दिवसीय पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में देश के लाभार्थी किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 12 किस्त की रकम जारी करेंगे। इस 12वीं किस्त के तहत देश के किसानों के बैंक खाते में 16 हजार करोड़ रुपए की रकम जमा होगी, जिसमें गुजरात के 51 लाख से अधिक किसानों को 1023 करोड़ रुपए की रकम प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है और किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 12वीं किस्त राज्य के किसानों के लिए एक और राहत लेकर आएगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत देश के जरूरतमंद किसानों को हर वर्ष 6000 रुपए दिए जाते हैं, जो सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित किए जाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 12वीं किस्त के तहत देश भर के पात्र किसानों के खाते में 16 हजार करोड़ रुपए की रकम हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा अब तक जारी कुल 12 किस्तों के तहत देश भर के किसानों के बैंक खाते में कुल 2.16 लाख करोड़ रुपए की रकम जमा कराई गई है, जबकि गुजरात के किसानों के खाते में अब तक 12,565 करोड़ रुपए की रकम भेजी गई है।

नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र शुरू किए जाएंगे। इसमें से 44 केंद्र गुजरात में कार्यरत किए जाएंगे। कृषि समृद्धि केंद्रों में किसानों को एक छत तले कृषि संबंधित सारी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। खास बात यह है कि इन केंद्रों में भूमि, बीज और खाद के परीक्षण की तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी ताकि किसानों को एक ही जगह पर इसका फायदा मिल सके। किसानों की जरूरत के अनुसार छोटे-बड़े खेत उपकरण तथा ड्रोन के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की सुविधा उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी। इन सेंटरों पर किसानों को खेती से संबंधित अत्याधुनिक कृषि प्रणालियों, नई तकनीक, नए शोध और वैज्ञानिक सुझावों के बारे में जानकारी दी जाएगी। किसानों को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाली सरकारी योजनाओं को भी इन केंद्रों पर प्रदर्शित किया जाएगा। ये केंद्र मुख्य बाजार स्थलों पर या गांवों अथवा तहसीलों में कृषि मंडियों के निकट स्थित होंगे ताकि किसान बिना किसी कठिनाई के इसका उपयोग कर सकें। इसके अलावा, इन केंद्रों पर खाद की खरीदी के लिए पीओएस, क्यूआर कोड या बार कोड स्कैनर की सुविधा, स्टॉक की स्थिति, सहायता और मूल्य दर्शाने वाला डिस्प्ले बोर्ड तथा किसानों के बैठने की सुविधाएं भी होंगी। इसके साथ ही, यहां एक हेल्प डेस्क भी होगा। इन केंद्रों पर प्रिंटर और इंटरनेट कनेक्शन के साथ कम्प्यूटर और एलईडी स्क्रीन तथा स्मार्ट टीवी जैसी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का इंतजाम होगा।

पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में 1500 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स हिस्सा लेंगे। इसमें से 300 स्टार्टअप कृषि और उससे जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने नवोन्मेषी कार्यों का प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त, इन स्टार्टअप्स के जरिए किसानों को वरिष्ठ वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन भी मिलेगा।

गुजरात के 50 लाख से अधिक पीएमजेएवाय-एमए कार्ड्स लाभार्थियों को दिए जाएंगे प्रिंटेड आयुष्मान पीवीसी कार्ड

- पीएम मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में कार्ड वितरण के लिए आज गांधीनगर में आयोजित होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात के गांधीनगर में 17 अक्टूबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में राज्य के पीएमजेएवाय-एमए कार्ड के 50 लाख से अधिक लाभार्थियों को नये प्रिन्ट किये गये आयुष्मान पीवीसी कार्ड का वितरण किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित की गई प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ गुजरात सरकार ने वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री अमृतम् (एमए) तथा मुख्यमंत्री अमृतम वात्सल्य (एमएवी) योजना को समन्वित किया था और इन योजनाओं के सभी लाभार्थी पीएमजेएवाय-एमए कार्ड पाने के योग्य बने थे। तब से लेकर अब तक गुजरात में 1.58 करोड़ लाभार्थियों को पीएमजेएवाय-एमए कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में यानी सितंबर 2021 से अब तक 50 लाख से अधिक कार्ड दिए गए हैं। अब इन लाभार्थियों को नए प्रिंटेड आयुष्मान ड्रण कार्ड दिए जाएंगे। इन कार्डों के वितरण के लिए गुजरात में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे और पीएमजेएवाय-एमए कार्ड के लाभार्थियों के साथ संवाद भी करेंगे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी वर्चुअली भाग लेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल गांधीनगर में उपस्थित रहेंगे।

नेशनल हेल्थ ऑथोरिटी (एनएचए) की गाइडलाइन के अनुसार पीएमजेएवाय-एमए (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना – मा अमृतम) के लाभार्थियों को आयुष्मान पीवीसी कार्ड दिए जा रहे हैं। गुजरात में राज्य स्तर पर 50 पीवीस कार्ड मुद्रित किए गए हैं। ये कार्ड स्वास्थ्य कार्यालयों के सम्बद्ध चीफ़ डिस्ट्रिक्ट ऑफ़िसरों/मेडिकल ऑफ़िसरों को डिलीवर भी कर दिए गए हैं। राज्य के सभी गाँवों में आयुष्मान पीवीसी कार्ड का वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के ग़रीब नागरिकों को महंगे मेडिकल उपचार के ख़र्चों से बचाने के लिए दीर्घदृष्टा तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री अमृतम (एमए) योजना घोषित की थी। इसके बाद 4 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवारों को इस योजना में शामिल करने के लिए वर्ष 2014 में योजना का विस्तार कर उसे मुख्यमंत्री अमृतम वात्सल्य (एमएवी) योजना के रूप में घोषित किया गया था। एमए तथा एमएवी का जो लाभ गुजरात के ग़रीब परिवारों को मिला, उसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय स्तर पर 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (एबी पीएमजेएवाय) समग्र देश में लागू की, जो विश्व की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है और जिसमें हर परिवार को 5,00,00 रुपए तक का बीमा कवच दिया जाता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की घोषणा होने के बाद वर्ष 2019 में गुजरात सरकार ने एमए तथा एमएवी योजना को एबी पीएमजेवाय के साथ समन्वित किया और इन तीनों योजनाओं के लाभार्थियों को पीएमजेएवाय-एमए के अंतर्गत को-ब्रैण्डेड कार्ड इश्यू किए गए।

पीएमजेएवाय-एमए कार्ड के लाभार्थियों को इन नवमुद्रित आयुष्मान पीवीसी कार्ड्स का वितरण करने के लिए गुजरात सरकार ने 17 अक्टूबर को एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस दिन का कार्यक्रम दो स्तरों पर आयोजित किया जाएगा। एक राज्य स्तर तथा दूसरा तहसील व महानगर पालिका स्तर पर। समग्र राज्य में कार्ड वितरण के लिए कुल 260 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी पीएमजेएवाय-एमए कार्ड के अंतर्गत उपचार लेकर स्वस्थ हुए 3 लाभार्थियों के साथ वर्चुअली बातचीत करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के करकमलों से नए तीन लाभार्थियों को कार्यक्रम के दौरान मंच पर बुलाकर आयुष्मान पीवीसी कार्ड्स दिए जाएंगे। तहसील स्तरीय कार्यक्रमों में प्रभारी मंत्री, स्थानीय सांसद-विधायक तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि गुजरात के सभी लाभार्थियों को स्थानीय स्तर पर 50 लाख रंगीन आयुष्मान पीवीसी कार्ड दिए जाएंगे। एनएचए एमपैनल्ड एजेंसियों के बीआईएस मॉड्लूय द्वारा लाभार्थियों का ई-केवायसी किए जाने के बाद इन कार्ड्स का वितरण किया जा रहा है।

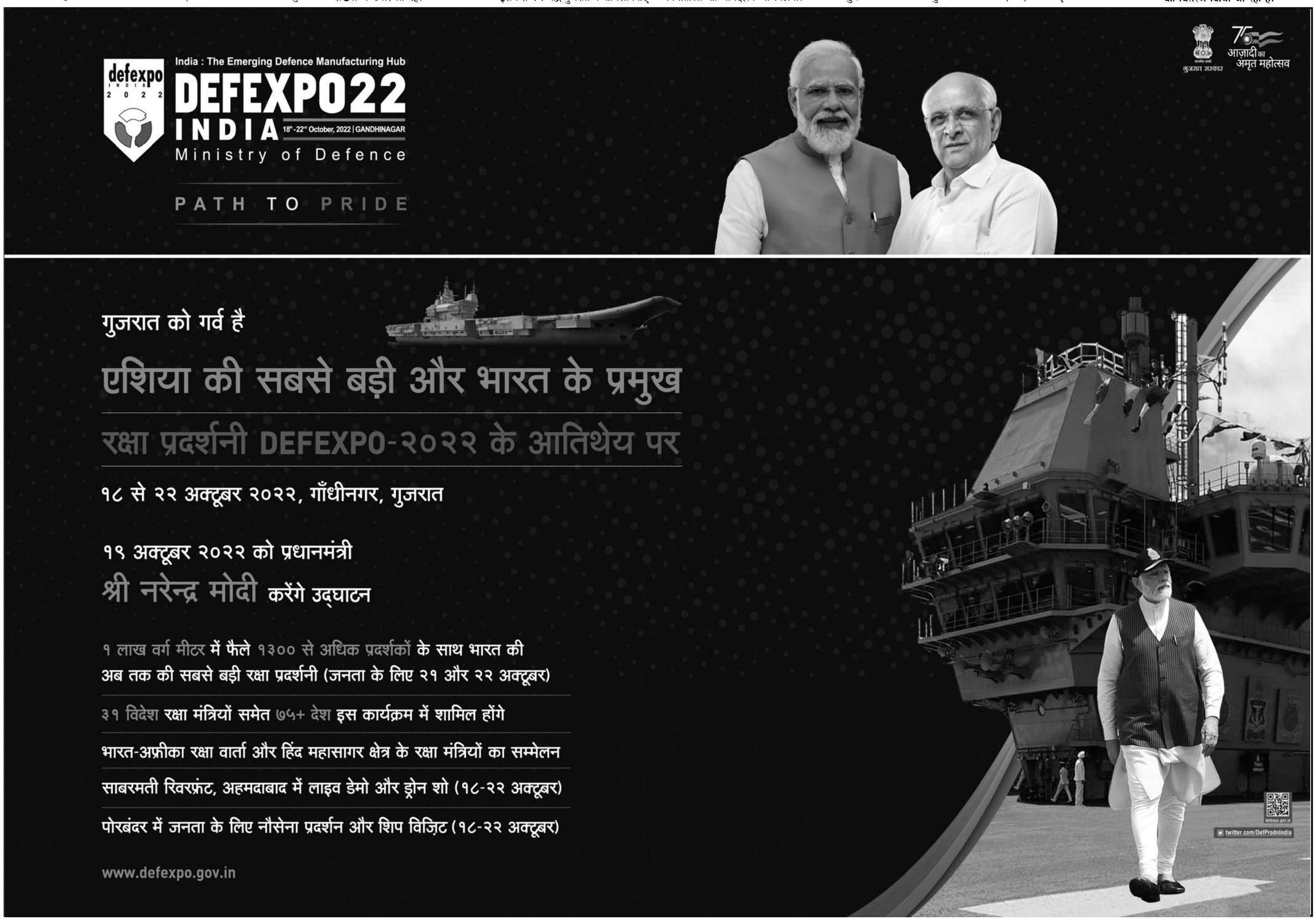

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95